हैदरगढ़ मिल की तकनीक अब अपनाएगा श्रीलंका

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

श्रीलंका सरकार हैदरगढ़ चीनी मिल के तकनीक को अपना कर अपने यहां नई चीनी मिलें लगाएगा। इससे न सिर्फ चीनी का उत्पादन होगा बल्कि बिजली भी पैदा होगी। उत्तर प्रदेश की यात्रा पर आए श्रीलंका के चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मण सेनेविरत्ने ने मंगलवार को हैदरगढ़ चीनी मिल का दौरा किया। चीनी के साथ बिजली उत्पादन के तकनीक को देखकर वे प्रभावित हुए कि उन्होंने इस तकनीक को अपनाने की इच्छा जताई।

श्री सेनेविरत्ने ने कहा कि श्रीलंका के कृषि वैज्ञानिकों व उद्योगपतियों का प्रतिनिधि मण्डल शीघ्र ही भारत आएगा और लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान समेत कई चीनी मिलों का दौरा करेगा। उन्होंने कहा कि हम यहां के विशेषज्ञों के साथ चीनी उद्योग से जुड़े उद्योगपतियों को भी वहां आमंत्रित करेंगे ताकि उनके अनुभव और तकनीकी ज्ञान का हमें लाभ मिल सके। श्री सेनेविरत्ने ने फैजाबाद स्थित रौजा चीनी मिल का भी दौरा किया।

सोमवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) पहुंचे लक्ष्मण सेनेविरत्ने ने यहां के गन्ना उत्पादन के तकनीक को श्रीलंका में भी अपनाने की बात कही थी। संस्थान के निदेशक डा. एस. सोलोमन ने कहा कि गन्ना व चीनी उत्पादन की तकनीक में संस्थान श्रीलंका की पूरा सहयोग करेगा।

लखनऊ, 19 जून 2013 दैनिक जागरण |9

श्रीलंका जाएंगे प्रदेश से गन्ना विशेषज्ञ

जाब्यू, लखनऊ : श्रीलंका में गन्ने की उपज को बढ़ाकर चीनी के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का प्रदेश के गन्ना विशेषज्ञ जाएंगे। श्रीलंका से केंद्रीय चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मण सेनाविरत्ने के नेतृत्व में पहुंचे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की उपलब्धि को सराहा। मंगलवार को श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने रोजा व हैदरगढ़ की चीनी मिलों का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचा। श्रीलंकाई मंत्री सेनाविरत्ने का कहना है कि उप्र के गन्ना और चीनी उद्योग से काफी सीख ली जा सकती है। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ.सुनील सोलोमन का कहना है कि श्रीलंका में गन्ना उपज बढ़ाने की काफी संभावना है। श्रीलंकाई दल में शामिल श्रीलंका गन्ना शोध संस्थान के निदेशक एपी कीर्तिपाल का कहना है कि भारत से गन्ने की उन्नत प्रजाति बीज लेने के अलावा चीनी उत्पादन तकनीकी का लाभ मिलेगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक एके साह ने बताया कि श्रीलंकाई दल चीनी मिलों का निरीक्षण करने के अलावा कुशीनगर में गन्ने की फसलों का भी स्थलीय निरीक्षण करेंगे। श्रीलंका से गन्ना उत्पादन में सहयोग लम्बा चल सकता है।